ज्योत जले रे दिन रात,
माई की मडुलिया में।।

जग जननी दु:ख हरनी माता,
सब की सुने फरियाद,
माई की मडुलिया में।।

जूही चम्पा मोगरा फुले,
चमेली खिले आधी रात,
माई की मडुलिया में।।

धूप कपूर की आरती होवे,
हलुवा को चढ़े प्रसाद,
माई की मडुलिया में।।

हनुमत नाचे भैरों नाचे,
मैया नाचे साथ,
माई की मडुलिया में।।

माई के पदम् गुणगान करो जी,
पूरी होगी मुराद,
माई की मडुलिया में।।

ज्योत जले रे दिन रात,
माई की मड़ुलिया में।।

लेखक / प्रेषक डालचन्द कुशवाहपदम्
भोपाल। 9827624524

Source: https://www.bharattemples.com/jyot-jale-din-rat-maai-ki-maduliya-me/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw